



**PM SHRI
KENDRIYA VIDYALAYA
KANKINARA**



**FOUNDATIONAL STAGE
AND
PREPARATORY STAGE**

NEWSLETTER

नन्हीं उड़ान

Kolkata Region

Session 2026 & 27

July to September

*Small
Steps...
Big Dreams...*



**Learn
Play
Grow
Together**

**Happy Children
Bright Future**

मार्ग दर्शक एवं प्रेरणा स्रोत



**सुश्री मेनाक्षी जैन , उपायुक्त
(के. वी. एस क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता)**



**श्री संजीव सिन्हा , सहायक आयुक्त
(के. वी. एस क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता)**



**श्री दिवाकरा भोई , सहायक आयुक्त
(के. वी. एस क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता)**



**श्री अमित बैद्य , सहायक आयुक्त
(के. वी. एस क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता)**



श्री मनीष रॉय

मुझे अत्यन्त हर्ष है कि पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय काकीनाड़ा के प्राथमिक अनुभाग की द्वितीय त्रैमासिक ई-पत्रिका "नन्हीं उड़ान" (सत्र 2026-27) आपके समक्ष प्रस्तुत है।

यह पत्रिका हमारे नन्हे विद्यार्थियों की मौलिक रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति, कलात्मक अभिव्यक्ति तथा विभिन्न शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक गतिविधियों का सजीव चित्रण है। प्रत्येक चित्र, रचना और गतिविधि बच्चों की प्रतिभा, उत्साह एवं सीखने की आनंदमयी यात्रा को दर्शाती है।

मुझे विश्वास है कि "नन्हीं उड़ान" हमारे विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने, नए सपने देखने और निरन्तर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। इस सुंदर प्रयास के लिए सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

(प्राचार्य) पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय काकीनाड़ा



TEAMWORK
MAKES THE
DREAM
WORK



TEACHERS
ENCOURAGE
US TO DREAM BIG
AND WORK HARD
TO ACHIEVE
OUR GOALS.



CLASS ROOM ACTIVITIES



लीफ़ आर्ट (Leaf Art) या पत्ती कला स्कूली छात्रों के लिए प्रकृति से जुड़ने और अपनी रचनात्मकता (Creativity) दिखाने का एक बेहतरीन माध्यम है। भारतीय स्कूलों में इसे पर्यावरण अध्ययन (EVS), विज्ञान या हिंदी की रचनात्मक गतिविधियों (Creative Activities) के अंतर्गत बड़े उत्साह से कराया जाता है।



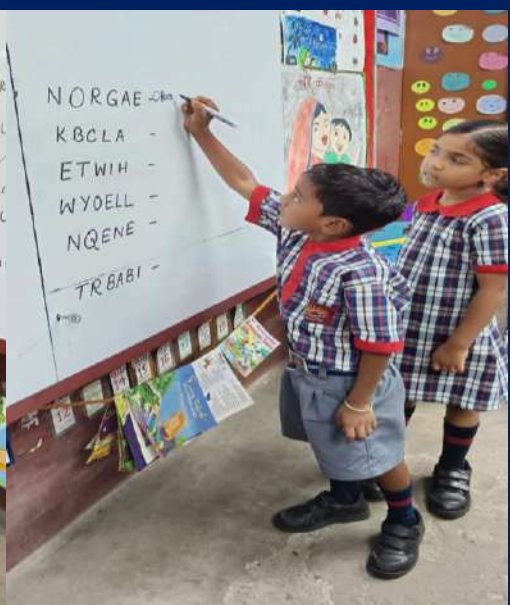
गिनलड़ी (Ginladi / Abacus / Number String) गणित सीखने और सिखाने का एक बहुत ही बेहतरीन और पारंपरिक साधन है। गिनलाड़ी (Ginladi / Abacus) से बच्चों को गिनती और गणित सिखाने के कई बेहतरीन फायदे हैं। यह केवल एक खिलौना या उपकरण नहीं है, बल्कि यह बच्चों के मानसिक विकास में एक बड़ा बदलाव लाता है।

- **संख्याओं की गहरी समझ (Visual Learning):** बच्चे संख्याओं को केवल रटते नहीं हैं, बल्कि गिनलाड़ी के रंग-बिरंगे मोतियों को देखकर और छूकर समझ पाते हैं कि 'कम' और 'ज्यादा' क्या होता है। इससे उनकी बुनियादी समझ मजबूत होती है।



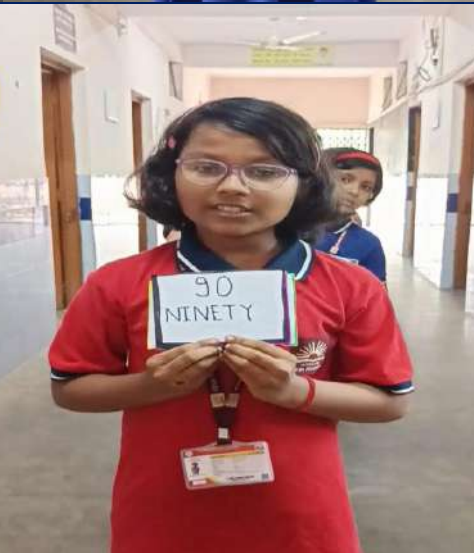
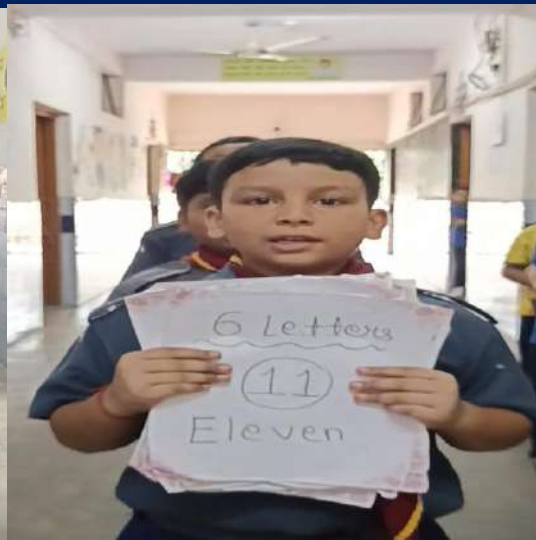
बच्चों के लिए 'नन्हे शेफ' (बिना आग के खाना बनाने की गतिविधि) का आयोजन उनके सर्वांगीण विकास और पोषण संबंधी जागरूकता के लिए बेहद उपयोगी और रचनात्मक रहा बच्चों द्वारा बनाए गए प्रमुख व्यंजन : बिना गैस या आग का उपयोग किए बच्चों ने सुरक्षित और पौष्टिक सामग्रियों से निम्नलिखित आकर्षक व्यंजन तैयार किए: • वेजिटेबल सैंडविच • भेलपूरी और स्प्राउट (अंकुरित अनाज) चाट • ताजे फलों की फ्रूट चाट व फ्रूट सैलेड • नींबू पानी

गतिविधि से सीख और लाभ • पोषण का ज्ञान: बच्चों ने जंक फूड से दूर रहकर ताजे फल, सब्जियां और पौष्टिक आहार खाने का महत्व समझा। • कौशल विकास: सामग्री को काटना, मिलाना और सजाना (Presentation) सीखने से बच्चों की सूक्ष्म मोटर कौशल (Fine Motor Skills) और रचनात्मकता में सुधार हुआ। • आत्मविश्वास और टीम वर्क: मिलकर काम करने से बच्चों में सहयोग की भावना, स्वच्छता के प्रति सजगता और आत्मनिर्भरता का विकास हुआ।



कक्षा में टैंग्राम (Tangram) का प्रयोग बच्चों को ज्यामितीय आकृतियों, उनकी विशेषताओं और गणितीय अवधारणाओं को खेल-खेल में सिखाने के लिए किया जाता है। टैंग्राम एक प्राचीन चीनी पहेली है, जिसमें एक वर्ग को सात सपाट टुकड़ों में बांटा जाता है: 5 त्रिभुज (विभिन्न आकारों के), 1 वर्ग और 1 समांतर चतुर्भुज





कक्षा में सूखा और गीला कचरा अलग करने (Waste Segregation) की गतिविधि बच्चों को स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने का एक बेहतरीन तरीका है

कचरे की पहचान करना: • कक्षा में बच्चों के सामने विभिन्न प्रकार के कचरे की वस्तुएं रखें गए

• बच्चों को समझाया गया कि कौन सा कचरा किस श्रेणी में आता है:

• हरा डस्टबिन (गीला कचरा): रसोई का बचा हुआ खाना, सब्जियों और फलों के छिलके, सड़े हुए फल और पत्तियां।

• नीला डस्टबिन (सूखा कचरा): कागज, प्लास्टिक, धातु के डिब्बे, कांच और गते के टुकड़े

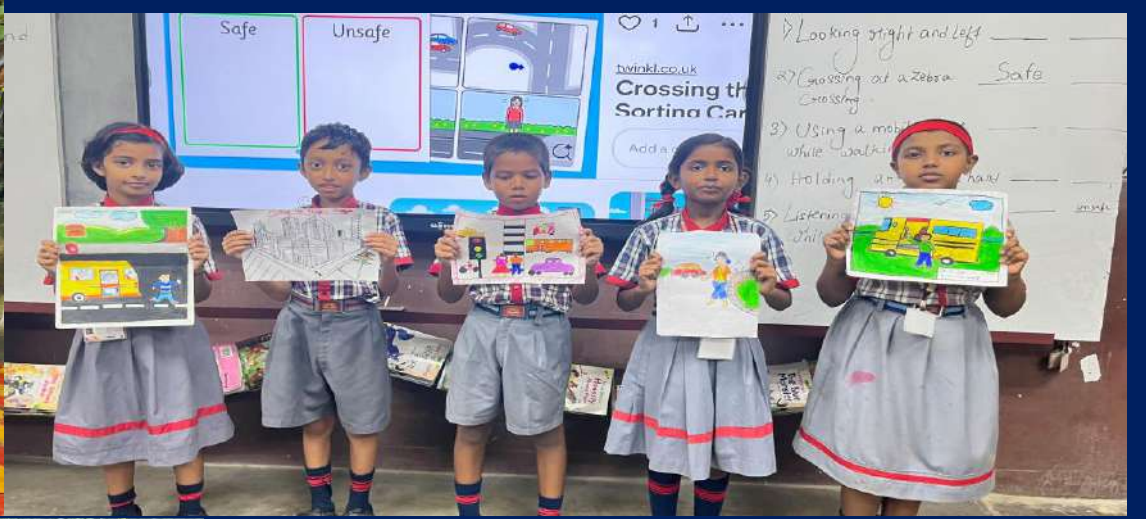
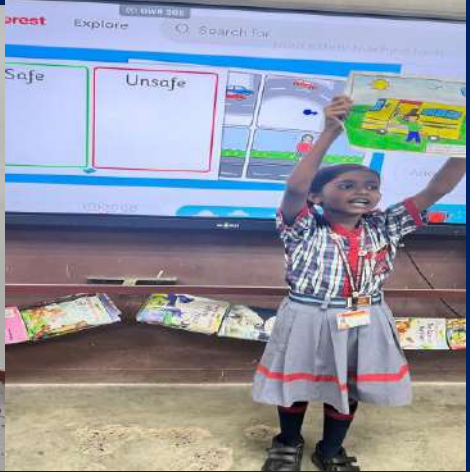
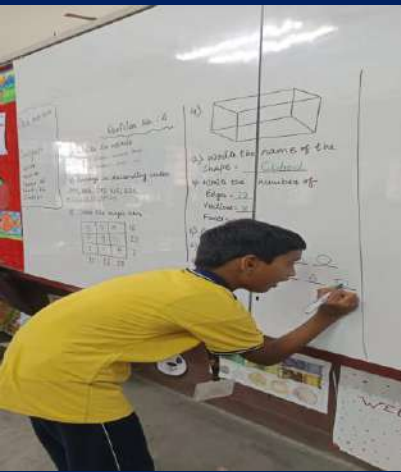




कक्षा में 'लर्निंग बाय डूइंग' (Learning by Doing) का अर्थ है बच्चों को केवल किताबों से रटाने के बजाय खुद करके और गतिविधियों के जरिए सिखाना, जिससे पढ़ाई आनंदमय बन जाए।

कक्षा में आनंद के साथ अपनाए गए मुख्य तरीके

- खेल-खेल में अक्षर और मात्राएं सीखना: प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों को कार्ड्स, चित्रों और वस्तुओं (जैसे 'आ' से आम या अनार) के माध्यम से हिंदी वर्णमाला और मात्राओं का ज्ञान खेल के जरिए कराना।
- समूह में प्रयोग : विज्ञान और पर्यावरण से जुड़े छोटे-छोटे प्रयोग बच्चों के समूहों से करवाना, जिससे उनमें सहयोग की भावना और सीखने का उत्साह बढ़ता है।



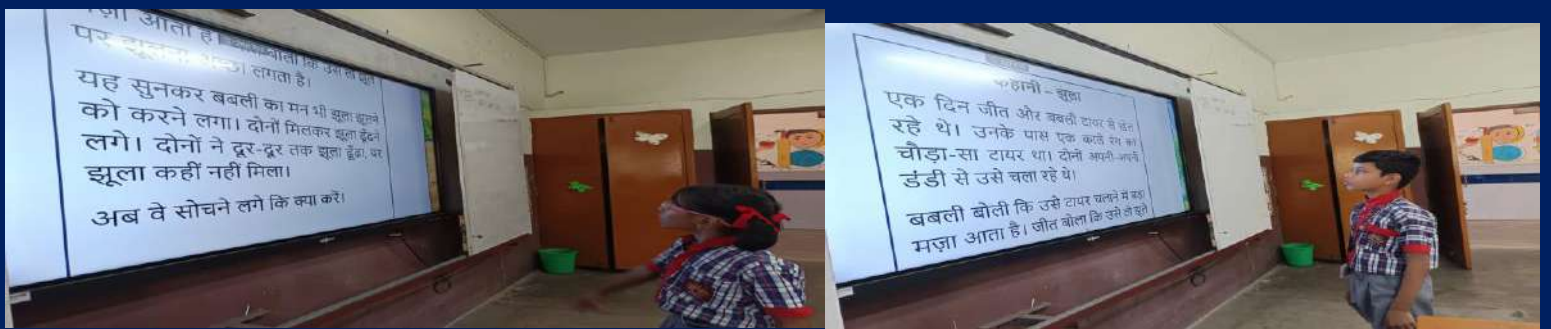




CLASSROOM AWARD



READING PRACTICE



CLA : CREATIVE LEARNING ACTIVITIES



POSTER MAKING



BIRTHDAY CARD MAKING



SOLO DANCE



GROUP DANCE



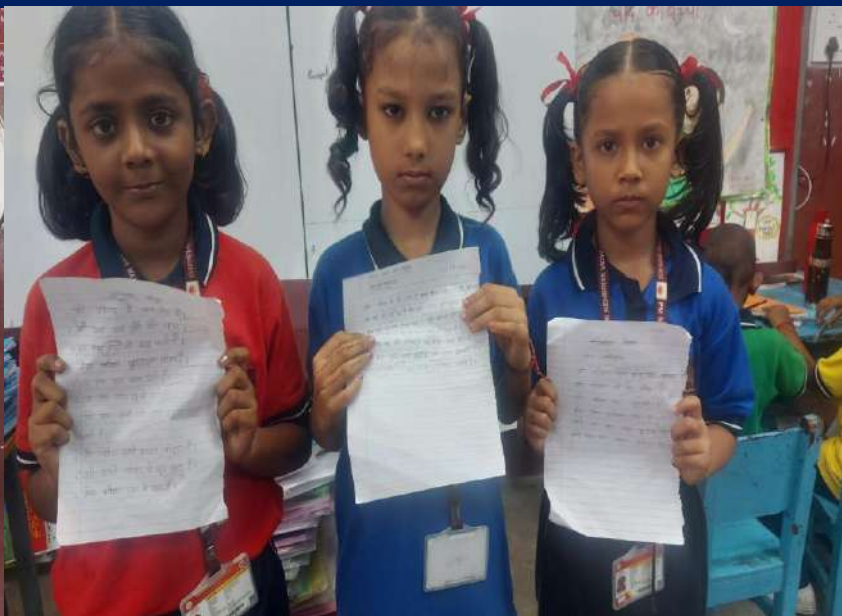


RAKHI MAKING





HINDI CALLIGRAPHY



INDEPENDENCE DAY स्वतंत्रता दिवस







स्कूली शिक्षा में हिंदी माह मनाने का महत्व बहुत अधिक है। यह केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि छात्रों को अपनी भाषा, संस्कृति और पहचान से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। स्कूलों में हिंदी माह मनाने के मुख्य कारण और इसका महत्व हैं: भाषा के प्रति गौरव और सम्मान जगाना

- राष्ट्रीय पहचान: हिंदी हमारे देश की आधिकारिक भाषा (राजभाषा) है। इसे मनाने से बच्चों में अपनी मातृभाषा और राष्ट्रभाषा के प्रति गर्व की भावना पैदा होती है।

- सांस्कृतिक जुड़ाव: आधुनिक युग में अंग्रेजी के बढ़ते प्रभाव के बीच, यह आयोजन बच्चों को अपनी जड़ों और भारतीय संस्कृति से जोड़े रखता है।







विद्यालय में हिन्दी माह (Hindi Month) मनाना एक बेहतरीन और सराहनीय पहल है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में मातृभाषा और राजभाषा हिन्दी के प्रति सम्मान, रुचि और जुड़ाव बढ़ता है।

पूरे महीने छात्रों को सक्रिय रखने के लिए प्राथमिक (Primary), माध्यमिक (Middle) और उच्च माध्यमिक (Senior) स्तर पर अलग-अलग प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें विद्यार्थियों व शिक्षक शिक्षिकाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

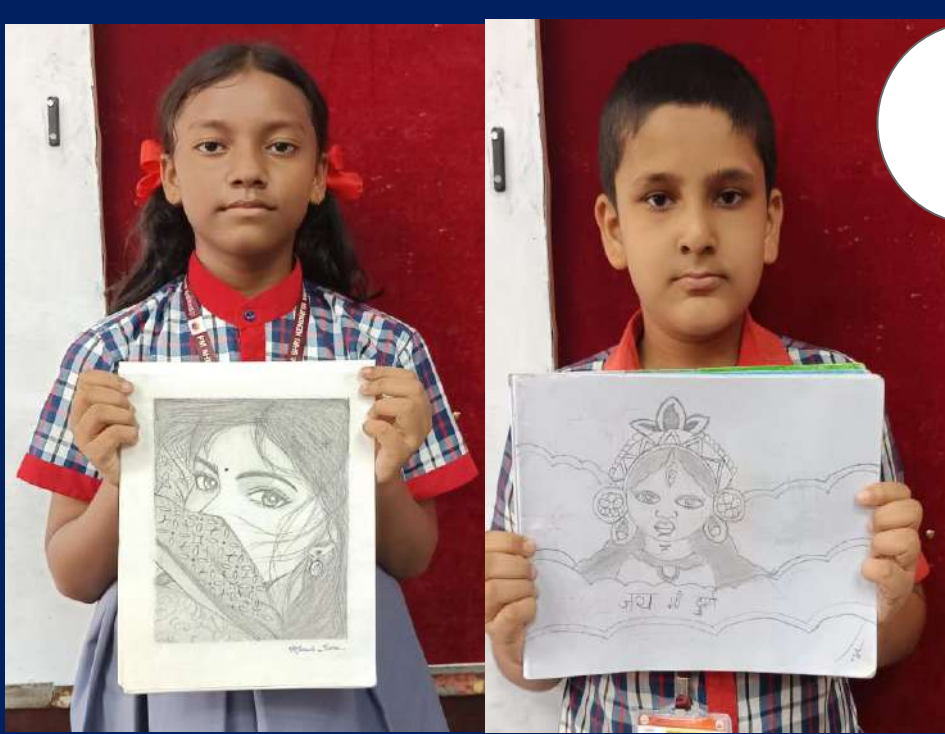
- सुलेख प्रतियोगिता (Handwriting): छोटे बच्चों के लिए अक्षरों की बनावट सुधारने हेतु।
- कविता पाठ / काव्य पाठ (Poetry Recitation): वीर रस, हास्य रस या देशभक्ति की कविताओं का वाचन।
- निबंध लेखन (Essay Writing): समसामयिक विषयों या "हिन्दी का महत्व" जैसे विषयों पर।
- वाद-विवाद (Debate): विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता बढ़ाने के लिए।
- नारा लेखन (Slogan Writing): हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार से जुड़े सुंदर नारे।
- पोस्टर मेकिंग (Poster Making): "हिन्दी: हमारी शान" थीम पर कलात्मक पोस्टर।
- तत्काल भाषण (Extempore): मंच का डर दूर करने के लिए मौके पर दिए गए विषय पर बोलना

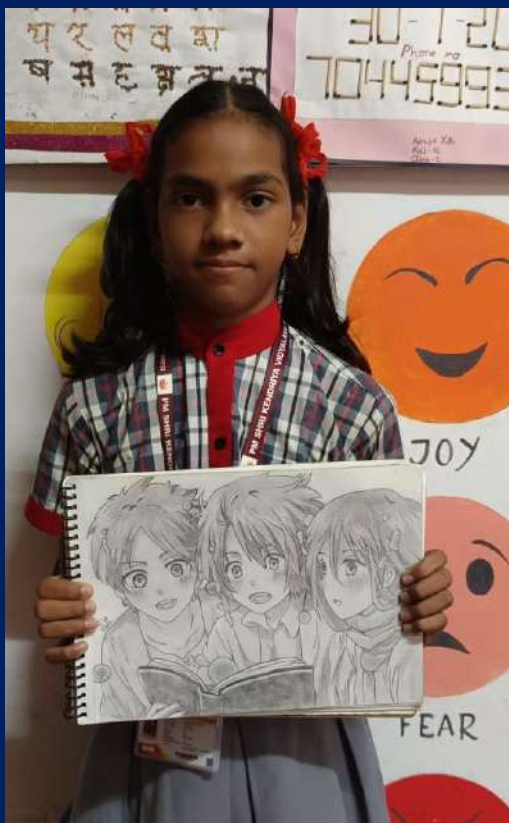
नन्हे कलाकार

कलाकार वो है
जो दुनिया को
उन रंगों से
दिखाता है, जो
आम आँखों को
नहीं दिखते।
उनकी कला को
सम्मान दें।"

कला समाज की
आत्मा है, और
कलाकार उसे
आवाज़ देते हैं।

कला और
कलाकार का
सम्मान हमारा
दायित्व है।"





PTM



WORKSHOP



THANK
YOU

